हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 अप्रैल 2025

11 वर्तमान चुनौतियों में बाबा साहब की शिक्षाएं प्रासंगिक

12 शहर में बढ़ती आवारा पशुओं की संख्या पर चिंता जताई

Affiliated to CBSE
MR SCHOOL
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
|| तमसो मा ज्योतिर्गमय ||
कोटा की FACULTY अब MR SCHOOL ATELI में
JEE / NEET COACHING with KOTA Faculty Experts

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
अब MR में स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

खबर संक्षेप

नपा ने अवैध कब्जे हटाकर कब्जेधारियों को दी नसीहत

कनीना। नगर पालिका प्रशासन ने रविवार को डीएवी स्कूल के समीप तथा अनुसूचित जाति बस्ती वार्ड तीन में नपा की जमीन पर किए जा रहे अवैध कब्जे को नेस्तनाबूद कर दिया। बता दें कि यहां पर नागरिकों की ओर से रास्ते के साथ लगती भूमि पर पक्की दीवार खड़ी कर टीनशेड डालकर अवैध कब्जे किया जा रहा था। इस बारे में नपा प्रशासन को मालुम हुआ तो कब्जेधारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया।

आज मनाई जाएगी डा. भीमराव अंबेडकर जयंती

मंडी अटेली। भारत रत्न भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती अटेली में 14 अप्रैल सुबह नौ बजे झंडा चौक पर मनाई जाएगी। अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के सदस्य व सलीमपुर के पूर्व सरपंच रामचंद्र कटारिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अटेली के चेयरमैन संजय गोयल व अध्यक्षता राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रवीण यादव करेंगे। विशिष्ट अतिथि असिस्टेंट कमिश्नर व भाजपा नेता, सरपंच एसोसिएशन के पूर्व प्रधान कुलदीप बौचड़िया होंगे।

जातिसूचक शब्द बोलने वाले पर मामला दर्ज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव बिहाली में जाति से सूचक शब्द बोलने पर पुलिस ने एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। बिहाली निवासी प्रवीन ने बताया कि एक अप्रैल साढ़े 12 बजे गांव के सरकारी स्कूल से उसकी बेटी नैना व प्राची को लेकर अपने घर जा रहा था। गांव के निक्कु के मकान के पास पहुंचा तो उसका रास्ता रोक लिया और गालियां देकर जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया।

कमरे का ताला तोड़कर केबल और पाइप चोरी

महेंद्रगढ़। गांव चितलांग में रात्रि के समय अज्ञात चोर एक ट्यूबवेल पर बने कमरे का ताला तोड़कर 160 फीट केबल व एल्युमिनियम के सात-आठ पाइप चोरी करके ले गए। पीड़ित किसान ने पुलिस थाने में शिकायत देकर सामान बरामद करने तथा चोर को पकड़ने की मांग की हैं। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

दीवार फांदकर घर में घुसे युवकों ने शहीद की पत्नी को लाठियों से पीटा, सोने की चेन व आभूषण लूटने के आरोप

पीड़ित महिला का पति हो चुका है शहीद, पुत्र भारतीय सेना में दे रहा सेवाएं

सीसीटीवी फुटेज में वारदात को अंजाम देते आरोपित।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

दोस्तपुर गांव में दीवार फांदकर घर में घुसे युवकों ने एक बुजुर्ग महिला की पिटाई करने का मामला सामने आया है। वारदात में एक सोने की चेन व आभूषण लूटने की शिकायत दर्ज कराई गई है। मारपीट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपितों की खोजबीन आरंभ कर दी है। पीड़ित परिवार ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा व आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

पुलिस शिकायत में कृष्ण कुमार पुत्र खुशीराम ने बताया कि शनिवार की दोपहर उसकी माता घर पर सोई हुई थी। सीसीटीवी कैमरे के अनुसार करीब 1:30 बजे चार से पांच युवक दीवार फांदकर घर में घुसे, जिनके हाथों में लाठियां थी। दीवार कूदते ही एक आरोपित ने मैन गेट का दरवाजा खोला, ताकि वारदात को अंजाम देने के बाद भागने में सुविधा रहे। इसके बाद सभी आरोपित अंदर कमरे में गए और बुजुर्ग महिला को पीटना आरंभ कर दिया। पीड़िता ने चिल्लाती हुई ग्रामीणों ने सुरक्षा की गुहार लगाई, लेकिन कमरा बंद होने के कारण सफलता नहीं मिली। बचाव के लिए पीड़िता ने कमरे का दरवाजा खोलकर बाहर भागने का प्रयास किया, लेकिन युवकों ने चौक में दुबारा हमला कर दिया। बुजुर्ग महिला गले में सोने की चेन व आभूषण पहन रखे थे। आरोपितों ने जाते हुए गले से आभूषण भी छीन लिया तथा जाते समय चुप रहने की हिदायत दी।

मिल रहीं धमकियां

शिकायतकर्ता ने बताया कि एक आरोपित का नाम रोहित कुमार पुत्र रविंद्र है, जो पड़ोसी है। उसके साथ तीन से चार अन्य लोग भी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीते कई दिनों से जानलेवा धमकी मिल रही हैं। जिसकी शिकायत सात अप्रैल को थाने में दर्ज कराई थी, लेकिन कार्रवाई पर अमल नहीं हुआ। जिस कारण आरोपितों ने वारदात को अंजाम दिया है।

आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने की गुहार

पीड़िता का पति पहले शहीद हो चुका है तथा पुत्र भारतीय सेना में सेवारत होने के कारण बार्डर पर रहता है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सभी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करने की गुहार लगाई है अन्यथा अभी जानलेवा संकट बना रहेगा।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी

इस संदर्भ में थाना प्रभारी छत्रपाल चौधरी ने बताया कि शिकायत मिलने पर आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गिरफ्तारी के लिए पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी हुई है।

पैमाइश कराकर नाला बनाने की मांग, कई बार हो चुके हादसे

सैनीपुरा के लोग डीसी कैंप, विधायक व नपा अधिकारियों को दे चुके हैं शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- मार्ग की चौड़ाई कम होने के चलते अनेक बार ओवरटेक करते समय नाले में पलट चुकी है स्कूलों की बसें
- शहर में कहीं भी नपा की जमीन पर व मार्गों पर अतिक्रमण किया हुआ है, तो वे जनहित में अपने आप हटा लें अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी

महेंद्रगढ़। सैनी सभा से पंचमुखी हनुमान मंदिर तक किया जा रहा नाले का निर्माण। फोटो : हरिभूमि

शहर के मोहल्ला सैनीपुरा के लोगों ने पंचमुखी हनुमान मंदिर तक बिना पैमाइश कर निर्माण कराने की मांग को लेकर सीएम विंडो व ग्रीवेंस में शिकायत दी है। उनका कहना है कि इससे पहले शिकायतें तीन बार डीसी कैंप के अलावा विधायक व नगर पालिका प्रशासन को दी जा चुकी है। इसके बावजूद भी नपा प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाए जा रहे।

बता दें कि शहर के मोहल्ला सैनीपुरा में सैनी सभा से पंचमुखी हनुमान मंदिर होते हुए गोशाला धोलपोश को जोड़ने का मुख्य मार्ग है। मंदिर के पास बने चौराहे से आगे बीते कुछ वर्ष पहले नाला व सड़क मार्ग पैमाइश करवाकर काफी बेहतर तरीके से बनवाया जा चुका है, जिसका लाभ लोगों को मिल रहा है। मंदिर से सैनी सभा तक का मार्ग व नाला दशकों से उपेक्षित पड़ा था, जिस पर ठेकेदार की ओर से काम शुरू करने से पहले शहर के जागरूक लोगों ने नपा प्रशासन के साथ-साथ महेंद्रगढ़ में हर मंगलवार को लगने वाले डीसी कैंप में पहले 18 मार्च को शिकायत देकर इस मार्ग की पैमाइश करवाने और फिर नाले का निर्माण शुरू करने की मांग की गई थी, लेकिन उच्च अधिकारियों की शिकायतों को नपा प्रशासन ने शायद गंभीरता से लेना उचित नहीं समझा, इसके बाद मंगलवार को शिकायत डीसी कैंप में दी। इस पर भी कोई कदम नहीं उठाए गए तो तीसरी शिकायत आठ अप्रैल को फिर से डीसी कैंप में दी। जिस पर भी नपा प्रशासन की ओर से कोई कदम नहीं उठाए गए।

सीएम विंडो का सहारा

शिकायतकर्ता जेबी सैनी, सरदार सिंह, रविन्द्र, रामनिवास, विजय सिंह, मुकेश कुमार ने बताया कि कई बार शिकायत दी चुकी है। नपा की उदासीनता के चलते अब उन्हें मजबूरन शिकायत सीएम विंडो तथा दूसरी ग्रीवेंस को देनी पड़ी है। इस मार्ग की चौड़ाई गोशाला धोलपोश वाले मार्ग के बराबर है। वहां पर बीते वर्ष पैमाइश करने के बाद ही इतनी जगह निकल पाई थी, ऐसे में अगर अब इस मार्ग की भी पैमाइश की जाए तो अवश्य ही यह निर्णय जनहित को लाभांवित करने वाला होगा। यह मार्ग पंचमुखी हनुमान मंदिर के अलावा गोशाला धोलपोश आश्रम, मोदाश्रम मंदिर, गोपाल गोशाला डुलाना रोड हुए दर्जनों गांवों तथा इधर चामधेड़ा होते हुए करीब आधा दर्जन स्कूल व अन्य शैक्षणिक संस्थानों को जोड़ते हुए अटेली रोड से भी दर्जनों गांवों को जोड़ने का मुख्य मार्ग है। इस मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण कई गई स्कूल बसें ओवरटेक करते समय नाले में पलट चुकी है। जागरूक लोगों की मांग है कि इस मार्ग को पैमाइस करके ही बनवाया जाए।

नपा सचिव से की है बात : डीएमसी

डीएमसी आनंद शर्मा का कहना है कि पंचमुखी मार्ग की पैमाइश का मामला उनके संज्ञान में आ चुका है। बीते दिवस उनका महेंद्रगढ़ दौरा था, लेकिन आवश्यक कार्य के चलते नहीं आ पाए। अब मंगलवार को यहां का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया जाएगा तथा पैमाइश करके ही इस मार्ग को बनवाया जाएगा। नपा सचिव को इस विषय में निर्देशित कर दिया गया है।

मामला अभी संज्ञान में आया है : एसडीएम

एसडीएम अनिल कुमार का कहना कि सैनीपुरा से पंचमुखी हनुमान मंदिर वाले मार्ग अगर अतिक्रमण है, तो उसे हटवाया जाएगा। इस विषय में पहले नपा अधिकारियों से बात करके मामले की पूरी जानकारी ली जाएगी। जिन लोगों ने भी शहर में कहीं भी नपा की जमीन पर व मार्गों पर अतिक्रमण किया हुआ है, तो वे जनहित में अपने आप हटा लें अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बाबूलाल ने पांच हजार मीटर दौड़ में जीता गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। गोल्ड मेडल के साथ बाबूलाल। फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के गांव निवासी बाबूलाल ने खेलों मास्टर नेशनल गेम्स फाउंडेशन की ओर से चलो चले फिटनेश में गोल्ड व सिल्वर दो मेडल जीते है। मास्टर खिलाड़ी ने 70 प्लस आयु वर्ग की प्रतियोगिता के पांच हजार मीटर वॉक दौड़ में गोल्ड, तीन हजार मीटर वाक दौड़ सिल्वर मेडल जीता है। फाउंडेशन की ओर से मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किया है। मास्टर खिलाड़ी के सोमवार को गांव में पहुंचने पर सम्मानित किया जाएगा।

मास्टर खिलाड़ी अभी तक विभिन्न मास्टर खेलों में सात पदक हासिल कर चुके है। चलो चले फिटनेस प्रतियोगिता 11 से 13 अप्रैल तक खेल गांव दिल्ली में आयोजित की गई। जिसमें भारतवर्ष के विभिन्न प्रांतों के मास्टर खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। बता दें कि मास्टर खिलाड़ी 33 वी मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप चंडीगढ़, जो 14 से 15 दिसंबर 2024 में आयोजित हुई। जिसमें 70 प्लस आयु वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया है।

राधे-राधे के संकीर्तन से गूंज उठा शहर

नारनौल। शहर की धार्मिक पावनता में रविवार को एक और अध्याय जुड़ गया। जब श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में 117वीं प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। यह भव्य प्रभातफेरी मोहल्ला सिलाखाना में रतनलाल गोयल के निवास स्थान से आरंभ हुई। प्रभातफेरी का शुभारंभ यजमान ने भक्तों को चंदन तिलक लगाकर, ठाकुर जी की आरती कर किया। ढोल-मर्दंग की मधुर थाप व राधे-राधे के गगनभेदी संकीर्तन के साथ भक्तों की टोलियां जब रामू चौधरी के मकान, महता चौक, गुरुद्वारा होते हुए गलियों से निकली तो पूरा वातावरण वृंदावन की पावन गलियों की याद दिलाने लगा। बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं, युवा सभी राधा नाम संकीर्तन में भावविभोर होकर नाचते गाते ईश्वर से यही प्रार्थना कर रहे थे राधे-राधे राधे-कृष्ण हमारे नगरवासियों को सदा खुशहाल, स्वस्थ और संकटमुक्त रखना। प्रभातफेरी का समापन सनातन धर्म के जयकारों के साथ हुआ।

निर्माणाधीन मकान में करंट से मजदूर की मौत, एक घायल

नांगल चौधरी। नांगल कालिया में एचपी गैस एजेंसी के नजदीक एक निर्माणाधीन मकान में हाईटेंशन लाइन के करंट से एक कारीगर की मौत हो गई। एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना का निरीक्षण किया तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार कमानिया निवासी हरिसिंह एचपी गैस एजेंसी के नजदीक दुकान व मकान का निर्माण कर रहा है। मकान के पास से हाईटेंशन बिजली सप्लाई की लाइन गुजर रही है। रविवार की सुबह मकान की छत पर लेंटर के लिए सरिए की पैमाइश कर रहे थे। इसी दौरान सरिया बिजली के तारों से टच हो गया। जिसके करंट से एक कारीगर मकान के नीचे गिर गया, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। दूसरा सहयोगी बुरी तरह झुलस गया। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर मकान मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पशुपालन विभाग के अधिकारियों और गोशाला संचालकों के साथ बैठक

गोशाला प्रतिनिधि ई-रिक्शा व चारे पर सब्सिडी के लिए पोर्टल पर करें आवेदन

हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण गर्ग ने किया यदुवंशी गोशाला गड़ानिया का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। गोशाला का निरीक्षण करते हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण गर्ग।

हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्रवण कुमार गर्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार गोवंश के संरक्षण व संवर्धन के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

गोवंश के लिए रहने के उचित व्यवस्था, उपचार, हरा चारा व स्वच्छ जल उपलब्ध करवाने के लिए गोशालाओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है। गर्ग रविवार को महेंद्रगढ़ के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पशुपालन विभाग के अधिकारियों व गोशाला संचालकों के साथ आयोजित बैठक में बोल रहे थे। इस मौके पर विधायक कंवर सिंह यादव भी मौजूद थे। इसके बाद उन्होंने यदुवंशी गोशाला गड़ानिया का भी निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि गोशाला प्रतिनिधि ई-रिक्शा व चारे पर सब्सिडी के लिए पोर्टल पर ऑनलाइन करवाना सुनिश्चित करें। गोसेवा आयोग के चेयरमैन ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्य योजना बनाकर सड़कों पर घूम रहे बेसहारा गोवंश को गोशालाओं में पहुंचाना सुनिश्चित करें।

गोवंश को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना उद्देश्य

उन्होंने कहा कि हम सबका उद्देश्य दूसरी गोसेवक समितियों के साथ तालमेल बिठाकर गोवंश को सभी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना है। हरियाणा गोसेवा आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से गोवंश की देखभाल के लिए विभन्न प्रकार की योजनाएं तैयार की जा रही है। गऊओं व नंदियों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को कहा कि प्रत्येक नंदी व गऊओं की टैगिंग करवाएं व गऊशालाओं के प्रतिनिधियों की ओर से पोर्टल पर ग्रांट के लिए प्रस्ताव भेजा जाता है, उसे एक सप्ताह के अन्दर वैरिफाई कर भिजवाना सुनिश्चित करें।

मित्रता की सच्ची परीक्षा संकट में नहीं, उत्कर्ष में होती है। जो मित्र के उत्कर्ष को बर्दाश्त कर सके, वही सच्चा मित्र होता है।
- हरिशंकर परसाई

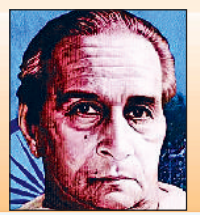

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।' 'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

कहानी
आशा खत्री 'लता'

अपने देश में

बाहर खिड़की से झांकते हुए अपने देश की शस्य- श्यामला धरती पर उगे हरे-भरे जंगलों, पहाड़ों को देखकर पिछले बहत्तर घण्टों में पहली बार उसके दिल को सुकून और मुख पर मुस्कान आयी थी। धरती पर तने नीलाम्बर को देख यूँ प्रतीत हो रहा था जैसे वह धरती का प्रहरी बन अड़ा खड़ा है। उसे लगा धरती, उस पर उगे पेड़-पौधे, आकाश और उसमें तैरते बादल, कभी पेड़ों के पत्तों और कभी बादलों के झुरमुट को उड़ाती पवन सबका आपस में गहरा रिश्ता है। सबका सुख-दुःख साझा है। दुःख, दर्द, पीड़ा, खुशी में सब एकत्रित होकर दुःखी को घेरकर ढाँढस बंधाते हैं, उसके दर्द को आत्मसात कर घटा देते हैं, बाँट लेते हैं।

विमान रनवे पर उतरने लगा था, उसे लगा कि पिछले 72 घण्टे से जिस दर्द के जाल में फँसकर वह फड़फड़ा रहा था, अब वह उसकी पकड़ से बाहर आ रहा है। माँ का हाथ थामे वह जैसे ही आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बाहर आया, उसे कई परिचित चेहरे दिखाई देने लगे। जिन्हें देख माँ के मुँह से एकाएक शब्द फूटे-

'देख हेमंत।'

'हाँ माँ देख रहा हूँ, कृष्ण चाचा, शमशेर मामा, रोहित और अभिनव को।'

'हाँ' होंठ खुलने के साथ ही माँ की आंखें भर आई। हेमंत जिसे घर में सब प्यार से हनी कहते हैं अनुभव कर रहा था कि माँ तो जैसे इन तीन दिनों में ही पचपन की यंग लेडी बहत्तर की बुढ़िया हो गयी है। पापा हमेशा माँ को यंग लेडी ही तो कहा करते थे। क्योंकि वे थी ही ऐसी, बिलकुल लड़कियों-सी। आज वही हँसती-मुस्कुराती, ऊर्जा से ओत-प्रोत यंग लेडी 72 घण्टों में ही जैसे दुःख, दर्द उदासी की प्रतिमूर्ति बन गयी हैं। इन्हीं विचारों में डूबा वह सामने खड़े रिश्तेदारों तक पहुंचा तो देखा कि मामा ने तेज कदमों से आगे बढ़कर अपनी बहन को बाहों में भर लिया। उसे भी चाचा ने जिस अपनेपन से आलिंगन में लिया, वह अपनत्व की अनुभूतियों का चरम बिन्दु था।

'क्या हुआ तेरा पापा जो चला गया, मैं हूँ ना, तुझे कभी उसकी कमी अनुभव नहीं होने दूँगा।' कृष्ण चाचा ने सरगोशी की।

'जी चाचा जी, मैं समझता हूँ आपकी भावनाओं को, आपके स्नेह को।' उसने भर्राए स्वर में कहा।

'देख हनी, वह मेरा भाई था, तू उसके जिगर का टुकड़ा था तो हम दोनों भी एक ही जिगर के टुकड़े थे, एक माँ का दूध पिया, एक माँ के पेट से जन्म लिया। वह तो भाई की विदेश जाने की जिद थी वरना हम कभी अलग नहीं रहे। उसके चले जाने का दुःख मुझे मार डाल रहा है। परन्तु मैं उसको तुझमें देख रहा हूँ और तू भी उसको मुझमें अनुभव करना बेटे।' कहते हुए शमशेर चाचा की रुलाई फूट पड़ी।

माँ मामा से लिपटकर बिलख पड़ी थी। जैसे किसी नीर से लबालब भरी नदी पर बंधा बांध टूट गया हो।

'मैं लुट गयी भाई, मैं लुट गयी। वे बिना कुछ कहे, सुने कैसे एकाएक हमें छोड़ गए। न बीमार हुए, न सेवा का अवसर दिया। अभी क्या उनकी उम्र थी जाने की? अभी तो एक माह के पोते को ढंग से गोद में भी न खिला पाए थे।'

'चुप हो जा मेरी बहन। देख तू ऐसे धैर्य छोड़ेगी तो हनी को कैसे चुप कराएगी?' मामा ने मेरी ओर संकेत करते हुए माँ को बहलाने का प्रयास किया।

'मेरे घर की खुशियों को मेरी ही नजर लग गयी भाई। पहले दिन ही तो मैंने कहा था कि भगवान ने हमें सब कुछ दे दिया। अब हमें और क्या चाहिए। भगवान ने ऐसा क्यों किया भाई, भगवान ने उन्हें इतनी जल्दी क्यों बुला लिया?'

'चुप हो जा मेरी बहन, भगवान ने जिसकी जितनी साँसें लिखी हैं हम न उनसे एक अधिक ले सकते हैं न कम।'

आते-जाते लोग हमें देख रहे थे। हम अभी उनसे बेखबर थे। अतः इसकी ओर ध्यान दिलाते दोनों चचेरे भाइयों ने हमें सहारा देते हुए गाड़ी में बैठाया। सामान वे पहले ही रखवा चुके थे।

गाड़ी में बैठने के बाद भी मम्मी, मामा से रोते-रोते बातें करती रही। उनकी रुलाई उनके रोकने के प्रयास के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रही थी। मैं जो पिछले तीन दिनों के घटनाक्रम पर माँ की चुप्पी को उनकी बहादुरी समझ रहा था। अब देख रहा था उनके बिखर जाने को। शायद यह अपनों के साथ

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था। मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

का असर था। वहाँ हम अकेले थे। पापा ने उस दिन शाम को छाती में दर्द अनुभव किया तो हमने कहा चलो आपको डॉक्टर के पास ले चलते हैं।

'नहीं, हनी अब तो अपने देश जाकर ही दिखाऊंगा।' अपने देश लौटने के उनके उत्साह के आगे हम सब बार-बार आग्रह करके भी मौन साधने को विवश हो गए। अब सोचता हूँ यह मौन हमें कितना भारी पड़ा? काश! हम पापा के उत्साह के आगे हथियार नहीं डालते। रात को ही पापा छाती में मामूली से दर्द के बाद हम सबको छोड़कर चले गए। एकाएक जो हुआ उसे देख हमारे हाथ-पाँव फूल गए। इस सबके बावजूद माँ ने हिम्मत दिखाते हुए कोमल को नन्हें कुशल के साथ कमरे में ही रहने का आदेश दे दिया।

मुझे एकाएक बुआ के बेटे सचिन का ध्यान आया जो हमसे पन्द्रह मिनट की दूरी पर ही रहता था। वही अमेरिका में हमारा एकमात्र अपना, दोस्त, खैरख्वाह था। उसे सूचना दी तो वह आधे घण्टे में ही हमारे पास पहुँच गया। परन्तु वह भी वहाँ इस तरह की स्थिति से कभी न गुजरा था। हम सब बहुत ही असहाय अनुभव कर रहे थे। मैं और माँ कभी पापा को छूते, कभी उनसे लिपटते और ईश्वर से बारम्बार प्रार्थना करते कि काश! वे अब भी पापा की सांसें लौटा दें, काश! वे अब भी उठ बैठें।

अपना देश तो सात-समंदर पार था और हम नहीं जानते थे कि इस अनजानी जगह पर हम पापा की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कैसे और कहाँ करें। आज यह सुन्दर और आकर्षक मुल्क हमारे लिए नितान्त अजनबी हो गया था।

इस बीच सचिन ने अपने एक दोस्त के माध्यम से एक पण्डित का पता लगा लिया, जिनसे संपर्क कर हमें आगे की कार्रवाई और पापा के संस्कार के लिए मार्गदर्शन और सहयोग मिला। उनके प्रयासों से जैसे-तैसे अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। अगले ही दिन हम तय कार्यक्रम के अनुसार भारत के लिए चल पड़े। यह भी किसी ईश्वरीय शक्ति की कृपा मैंने हम पर अनुभव की कि हमारी टिकटें पहले से बुक थी।

इस दौरान हमने जो अकेलापन अनुभव किया, वह हम माँ बेटों के लिए जीवन का सबसे कटु अनुभव था, जिसमें हमने अपनों के साथ होने की आवश्यकता को हर पल शिद्दत से महसूस किया। यही तड़प निरन्तर मन को कचोटती रही कि काश! कोई अपना आकर गले से लगा ले तो हम जी भरकर रो लें। परन्तु वहाँ ऐसा कोई न था जो हमारे इस घोर दुःख में मन का साथी बनता। यहाँ अब जब अपनों ने गले लगाया तो उनके आलिंगन की ऊष्मा ने दिलों में जमे दर्द के पत्थर को पिघला दिया। आँखें रास्ता बन गयी और वह वेग से बाहर बहने लगा।

एक घण्टे का सफर तय कर बोलते-बतियाते, उन अथाह दुखों के पलों को अपनों से साझा करते हम दोनों की हालत पहले से कुछ-कुछ ठीक हो चुकी थी। गाँव में प्रवेश किया तो लोग रुक-रुक कर, एक तरफ होकर गाड़ी को रास्ता देने लगे। उनके व्यवहार में सम्मान और अपनत्व की झलक थी जैसे सारे गाँव को पता हो कि महेश को खोकर उसके बालक गाँव लौटे हैं।

अपनी गली में मुड़े तो पूरी गली लोगों से भरी हुई थी। यहाँ भी लोगों ने बड़े स्नेह से हमारी गाड़ी को रास्ता दिया। घर के सामने पहुँचकर तो घर-कुनबे और रिश्तेदारों ने हमें घेर लिया। बुआ चाची, मौसी, भाभी, चचेरे, ममेरे, फुफेरे जैसे सब रिश्तेदार हमारा दुख बाँट लेने को आतुर थे।

बड़ी बुआ से माँ का सदैव से गहरा स्नेह रहा है उनसे लिपटकर तो माँ बिलख ही पड़ी 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी'

ऐसे द्रवित कर देने वाले उद्गारों से बुआ भी अपना धैर्य खो रही थी

'कहाँ छोड़ आई विमल मेरे भाई को, मेरे महेश को।'

'तू तो शांति रख यशवंती, इसे सम्भाल। ले पानी पी और अपनी भाभी को पिला। देख क्या हाल हो गया है इन माँ-बेटों का।' पिता की चाची ने दोनों को समझाते हुए कहा।

मुझे लगा कि अब हम अकेले नहीं हैं। यहाँ सब अपने हैं। कहाँ हम वहाँ एक चेहरा देखने को तरस गए थे, कहाँ यहाँ घर में तिल रखने की जगह नहीं थी। सब अपनी-अपनी सामर्थ्य अनुसार हमें तसल्ली दे रहे थे, दुःख की इस घड़ी में हमारे साथ खड़े थे। मुझे लगा काश! पापा यहाँ आकर अंतिम साँस लेते। मुझे माँ का वह वाक्य 'विदेश में कोए ना मरियो जीजी' कड़वे सच की तरह गले में अटका अनुभव हो रहा था।

मैं मन ही मन निश्चय कर चुका था, बहुत शीघ्र स्थायी रूप से अपने देश वापस लौटने का।

उधर, आज विमला को यह पानी भी अमृत लग रहा था। वह भी यही मन बना रही थी कि अब वे यही रहेंगे अपने देश में, अपनों के बीच।

लघुकथा
शकुंतला अग्रवाल शकुन

भिखारी

सुरेन्द्र जी ने अपने बेटे (पियूष) की पढ़ाई-लिखाई करवाने में कोई कसर नहीं रखी थी वैसे ही बेटे ने भी मेहनत से कभी जी नहीं चुराया था। नतीजन वह सॉफ्टवेयर इन्जीनियर बन कर बैंगलौर में सेटल हो गया। कुछ दिनों बाद ही अपनी सहकर्मी से शादी भी कर ली। अपना जीवन अपनी मर्जी से जीता है, माता-पिता की कभी खैर-खबर भी नहीं लेता। माता-पिता कभी कहते कि बेटा! कुछ दिनों के लिए हमारे पास भी आ जाओ तो समयाभाव की बोल कर इतिश्री कर लेता।

आखिरकार माता-पिता ने आपसी सहमती से अपनी सारी जमापूँजी वृद्धाश्रम को दान करने का मानस बनाकर, वहीं रहने भी लगे।

जब इस बात का बेटे को पता लगा तब तुरंत चला आया, आकर पिता से बोला-

'आपकी जमापूँजी पर केवल मेरा अधिकार है, वह मुझे ही मिलनी चाहिए।'

तब पिता बोले- कौनसा अधिकार? जिसको कर्तव्य याद नहीं ,उसके द्वारा अधिकारों की माँग करना, ऐसे लगता है जैसे द्वार पर कोई भिखारी खड़ा हो।

गजल
किरण यादव

वो तो इक दीवाना है
उसको क्या समझाना है

कुछ खोना, कुछ पाना है
जग का ताना - बाना है

ये दुनिया कुछ और नहीं
एक मुसाफ़िरख़ाना है

राजा, रंक, गृहस्थ, फ़क़ीर
इक दिन सबको जाना है

अपनी तो क़िस्मत में ही
हर दिन धोखा खाना है

चांदनी केशरवानी सुगंधा

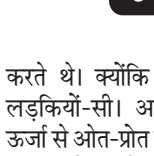

दिव्य प्रेम की धारा

अंतस में बहती जिसके बस, दिव्य प्रेम की धारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

कृष्ण साधना पूरी तब ही,जब राधे का गान हुआ।
प्रेम-दिवानी मीरा के हित,विष भी अमृत पान हुआ।
मन-नौका को प्रेम-सिंधु के, जिसने बीच उतारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

राधे के बिन सदा अधूरे,सबको ही घनश्याम दिखे।
सीता ने जब दर्पण देखा, तब तब ख़ुद में राम दिखे।
शबरी जैसे प्रबल प्रेम का ,जिसने लिया सहारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

वैदेही का त्याग-समर्पण, राम-कथा का सार बना।
सच्चाई ने छल को जीता, दीवाली त्योहार बना।
पावन प्रणय-भाव से चमके जिसका हृदय सितारा है।
तूफाँ हो या सागर गहरा,उसको मिला किनारा है।

पं. कमलकांत भारद्वाज

वक़्त ख़राब चल रहा था महंगी घड़ी ख़रीद ली
मुझे दोस्ती के लायक़ ना समझा और महोब्बत ख़रीद ली

मैं इतना परेशान हो चुका था ज़िंदगी में
सब कुछ बेच दिया और ज़हर की शीशी ख़रीद ली

मेरी नज़रों में अब गिर चुके है वो लोग
जिसने ईमान बेच दिया और सियासत ख़रीद ली

हमें अब डर नहीं लगता किसी का जनाब
हम वो हैं जिसने कफ़न बेच दिया और मौत ख़रीद ली

तवायफ़ से रूबरू हुए थे हम एक बार
पता चला कि उसने जिस्म बेच दिया और रूह ख़रीद ली

इतना रोए हैं एक शख़्स की याद में 'कमल'
नींद चैन सब बेच दिया और उसकी यादें ख़रीद ली।

राज ख्यालिया

विकास या विनाश

हरी-भरी थी धरती अपनी, पेड़ों से थी इसकी शान,
अब मशीनें चलने लगीं, कट रहे हैं सबके प्राण।

जंगल की छाँव थी जहाँ, थे पंछियों के मीठे बोल,
अब वहाँ बस शोर है, धूल और है बस कोलाहल।

भालू, हिरण, हाथी, गिलहरी सब कहाँ जाएँ?
घर उजाड़ कर उनका, हम क्या ही ऐसे पाएंगे

आईटी पार्क बनेगा, ऊँची इमारतें होंगी खड़ी,
पर किस कीमत पर? क्यों धरा पर ये ग़लती बड़ी?

कहो ये कैसा विकास है, जिसमें जीवन ही मिटे?
कैसी ये रौशनी कैसा उजाला जब साया भी कटे?

संभल जा ए खुदगर्ज इंसान, अब भी समय है,
जंगल के संग खुद को बचा यही असली विजय है।

साहित्यकार एवं कवि डा. अशोक अत्री का इस आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौती को लेकर कहना है कि आज खासतौर से हरियाणवी साहित्य बदलाव के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस बात की आवश्यकता है कि साहित्य में गहन अध्ययन मनन करने से ही समाज, खासतौर से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करने पर फोकस होना चाहिए, ताकि समाज में तेजी से उभरती कुरीतियों को दूर करने में मदद मिल सके।

साक्षात्कार
ओ.पी पाल

समाजहित में साहित्यिक अध्ययन का खास महत्व : डा. अशोक अत्री

साहित्य के क्षेत्र में गद्य और पद्य दोनों विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे लेखक समाज को नई दिशा देने के मकसद से अपने रचना संसार को दिशा दे रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शिक्षाविद् डा. अशोक कुमार अत्री भी अपनी लेखनी से सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों के अलावा प्रकृति, पर्यावरण और सभ्यता तथा रीति-रिवाजों को अपनी रचनाओं में समाहित करके संस्कृति के संवर्धन करने में जुटे हुए हैं। एक शिक्षक के रूप में वे कॉलेज में सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए युवा पीढ़ी को साहित्य से जुड़े रहने सीख देकर उन्हें विशेष रूप से हरियाणवी संस्कृति के देश विदेशों में बढ़ते प्रचार एवं प्रभाव का मौका दे रहे हैं।

हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डा. अशोक कुमार अत्री ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कुछ ऐसे पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें साहित्य समाज को सकारात्मक संदेश देने में सक्षम है। हरियाणा के कैथल स्थित आरकेएसडी कॉलेज में सहायक प्रोफेसर डा. अशोक कुमार अत्री का जन्म 09 जनवरी 1974 को जींद जिले के गांव ऐचरा खुर्द में मामन राम व शांति देवी के घर में हुआ। उनका यह गांव साहित्यिक चेतना के स्थल के रूप में समृद्ध एवं प्रसिद्ध रहा है। अशोक के दादा पं ज्ञानीराम क्षेत्र के प्रसिद्ध गायक रहे हैं, तो उनकी दादी भी लोक सत्संग में लीन रहती थी। उनके पिता पं मामनराम एवं चाचा पं राजेंद्र शास्त्री रामलीला के मंजे हुए कलाकार रहे हैं। मसलन उनके परिवार में साहित्य और सांस्कृतिक माहौल रहा है लेकिन उनका साहित्यिक सफर बहुत बाद में शुरू हुआ यानी शिक्षण कार्य में आने के बाद ही उन्हें इस बात का अहसास हुआ कि उन्हें लेखन करना चाहिए।

उनका पहला कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' जिसमें उनके जीवन संघर्ष से जुडी यादें समाहित है और इसकी थीम कविता 'वो दिन' एक लम्बी कविता है। इस संग्रह में जीवन के विभिन्न आयामों से सम्बंधित कविताएं शामिल हैं। विशेष रूप से हरियाणावी संस्कृति एवं उसके विभिन्न पक्षों को भी इसमें समायोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि जब उनके चचेरे भाई आनंद को उनके द्वारा लेखन करने का पता लगा, तो उन्होंने अपना पब्लिकेशन शुरू किया एवं उनके कविता संग्रह की हजारों प्रतियाँ छाप दी। उन्होंने गांव का तालाब कविता का जिक्र करते हुए बताया कि ग्रामीण समाज में तालाब गांव की जीवन रेखा होते थे, कपडे धोना, नहाना, पशुओं को नहलाना, महिलाओं के द्वारा रीति रिवाज़ सभी इससे जुड़े होते थे, लेकिन अब ये ऊझाड, बेजान पड़े हैं, कब्जाग्रस्त हैं इसलिए यह मुद्दा भी सामाजिक सरोकार से जुड़ा है। इसी प्रकार बदलते परिवेश में सामाजिक और तीज त्यौहार व रीति रिवाज की चर्चा को लेकर भी उनके लेखन का फोकस रहा है। मसलन महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' एक और अन्य महत्वपूर्ण रचना में उन्होंने समकालीन समय में गांधी के आदर्शों के प्रति जनता की उदासीनता को उजागर किया है। इसके अलावा प्रकृति से जुड़ी कविताओं में पर्यावरण की समस्या को उठाया गया है। वहीं समाज की सजगता के लिए पति-पत्नी सम्बन्धों, नौजवानों और बच्चों पर भी उन्होंने कविताएं लिखी हैं। जीवन में उतार चढ़ाव आना भी स्वाभाविक है और उनके सामने भी स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याएं उभरी और घबराहट से बचने का अलग तरीका ढूंढने लगा। कविता लेखन के साथ कहानी भी लिखना शुरू किया, तो राहत मिली। इसके बाद उनका कहानी संग्रह 'फिर सुबह' और उसके बाद कविता संग्रह 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर' प्रकाशित हुआ।

उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं, एक शिक्षक के रूप में महाविद्यालय में आज भी उनके पास सांस्कृतिक गतिविधियों की जिम्मेदारी हैं, जिसमें महाविद्यालय राज्यस्तरीय रत्नावली कार्यक्रम का विजेता होने के कारण वह हरियाणवी संस्कृति पर ज्यादा जोर देते आ रहे हैं। नई पीढ़ी को वे विशेषरूप से सांग, रिचवल, चौपाल, नृत्य को विशेष तवज्जो एवं फुलझड़ी एवं बिंदरवाल बनाना जैसी विधाएं सिखा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. अशोक कुमार अत्री की प्रकाशित प्रमुख पुस्तकों में कविता संग्रह 'दिल चाहता कुछ बताना था' और 'आ अब लौट चलें प्रकृति की ओर', कहानी संग्रह 'फिर सुबह' के अलावा पुस्तक 'भारत एवं मध्य एशिया के गणराज्य' हैं। जबकि उनकी दो कृति यानी रचना 'ये कौन छायाकार है' और एवं 'यात्रा वृत्तांत' प्रकाशनाधीन है। उनके साहित्य में हरियाणवी संस्कृति के अनछुए पहलूओं को महत्व दिया गया है। वहीं उनकी महात्मा गांधी के दर्शन पर आधारित कविता 'गांधी अकेला' भी सुर्खियों में रही है।

डा. अशोक कुमार अत्री

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार डा. अशोक अत्री को हरियाणा साहित्य अकादमी ने उनकी पुस्तक के लिए प्रकाशन प्रोत्साहन के लिए नकद राशि दी है, तो वहीं उन्हें साहित्य सभा कैथल से बीबी भारद्वाज समृति सम्मान, हरियाणा संस्कृत अकादमी से प्रशस्ति पत्र, अग्रवाल सभा कैथल से साहित्य सम्मान, डीएवी महाविद्यालय करनाल से सांग विधा के प्रचार प्रसार के लिए सम्मान जैसे अनेक पुरस्कार व सम्मान से नवाजा गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. अशोक कुमार अत्री
जन्मतिथि : 09 जनवरी 1974
जन्म स्थान : गांव ऐंचरा खूर्द, जींद (हरियाणा)
शिक्षा : बी.ए, बी.एड. एमए, एम.फिल, पीएच.डी.
संप्रति : असिस्टेंट प्रोफेसर(राजनीतिक शास्त्र), लेखक, साहित्यकार

संस्कृति व आस्था का प्रतिबिंब 'श्री श्याम महिमा'

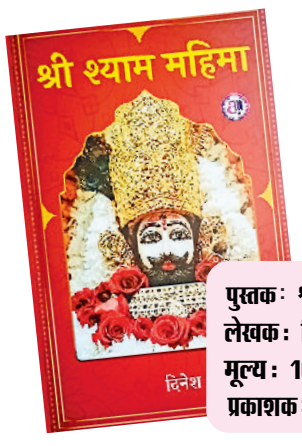

पुस्तक : श्री श्याम महिमा
लेखक : दिनेश शर्मा 'दिनेश'
मूल्य : 160 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन

पुस्तक समीक्षा
ललित शर्मा

श्री श्याम महिमा दिनेश शर्मा 'दिनेश' द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट पुस्तक है जो भारतीय संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक आस्थाओं का संपूर्ण परिचय प्रस्तुत करती है। इस पुस्तक में न केवल भारत की धार्मिक धरोहरों का विस्तार से वर्णन किया गया है, बल्कि श्री श्याम के आध्यात्मिक महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। अपनी गहन अध्ययनशीलता और संवेदनशीलता के साथ लेखक ने इस कृति को तैयार किया है, जो न केवल भक्तों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि सामान्य पाठकों के लिए भी उपयोगी है। पुस्तक में कुल छह खंड हैं, जो विभिन्न पहलुओं पर आधारित हैं।

भारत एक परिचय - इस खंड में लेखक ने भारत की भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत की है। यह खंड भारत की विविधता, उसकी एकता और समृद्ध इतिहास का संक्षिप्त विवरण देता है।

सभ्यता संस्कृति और भारत - इस खंड में लेखक ने भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और उसके मूल्यों पर विचार किया है। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, जिसमें विविध संस्कृतियों और धर्मों का समावेश है, का प्रभावी चित्रण किया गया है।

भारत के पवित्र तीर्थ एवं धाम - यह खंड विशेष रूप से तीर्थों और भारत के पवित्र स्थलों पर केंद्रित है। यहाँ लेखक ने भारत के विभिन्न तीर्थस्थलों की पवित्रता और उनके धार्मिक महत्व का वर्णन किया है। पुस्तक का यह हिस्सा पाठकों को भारत के धामों की यात्रा करवाता है।

ऐतिहासिक संदर्भों में श्री श्याम - इस खंड में श्री श्याम जी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला है। ऐतिहासिक स्रोतों और ग्रंथों के माध्यम से श्री श्याम जी के अस्तित्व और उनके योगदान का विवेचन किया गया है।

लौकिक संदर्भों में श्री श्याम - इसमें लेखक ने श्री श्याम जी के लौकिक जीवन, उनके विचारों और कर्मों के प्रति समाज में फैले विश्वास का वर्णन किया गया है।

सुप्रसिद्ध श्री श्याम तीर्थ - यह खंड विशेषकर हरियाणा के श्री श्याम के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों पर केंद्रित है। लेखक ने उन स्थलों का विशेष विवरण दिया है।

कुल मिलाकर, यह पुस्तक भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्थाओं को समझने के लिए एक आदर्श कृति है। यह पुस्तक निश्चित रूप से उन सभी पाठकों के लिए लाभकारी होगी जो भारतीय धार्मिक परंपराओं और श्री श्याम जी के आध्यात्मिक महत्व को गहराई से समझना चाहते हैं। लेखक दिनेश शर्मा को उनके इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं।

खबर संक्षेप

बसपा नेता अतरलाल ने सीएम को ज्ञापन भेजा

मंडी अटेली। बहुजन समाज पार्टी ने गत दिनों सोनीपत में सीवर सफाई के दौरान दो मजदूरों की मौत पर दुख प्रकट करते हुए राज्य सरकार से मैनुअल सीवर सफाई पर प्रतिबंध लगाने व पीड़ति परिवारों को एक एक करोड़ रुपये आर्थिक सहायता देने तथा परिवार के एक एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। इस संबंध में बहुजन समाज पार्टी के नेता समाजसेवी अतरलाल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भेजे ज्ञापन में बताया है कि पिछले आठ साल में सीवर की सफाई करते हुए लगभग 125 मजदूरों की मौत हो चुकी है, लेकिन सरकार इन हादसों को रोकने में पूर्णतया विफल रही है। सीवर सफाई करते हुए मरने वालों में 90 प्रतिशत मृतक अनुसूचित जाति गरीब और पिछड़े वर्ग के परिवारों से हैं। जिनकी कोई राजनैतिक पहुंच नहीं होती। यही कारण है कि सरकारी विभाग व ठेकेदार लापरवाह बने हुए हैं और सरकार ने भी पीड़ति परिवारों को पुर्नस्थापित करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। गरीब मजदूरों के हित में सरकार को इस समस्या का समाधान के लिए तत्काल कारगर कदम उठाने चाहिए।

'भीमराव अंबेडकर की शिक्षा व वर्तमान चुनौतियां' पर विचार गोष्ठी

वर्तमान चुनौतियों में बाबा साहेब की शिक्षाएं प्रासंगिक : प्रभाकर

हरियाणा दलित साहित्य अकादमी की ओर से समाज के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

हरियाणा दलित साहित्य अकादमी के तत्वावधान में रविवार को गांव बिहाली में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की शिक्षा व वर्तमान चुनौतियां विषय पर आधारित विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सरपंच सीताराम यादव ने की। जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मंच संचालन सूबेसिंह भोड़ीवाल व कैलाश ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा. राकेश कुमार ने बताया कि महान पुरुष किसी जाति व धर्म के नहीं, बल्कि राष्ट्र की अनमोल धरोहर होते हैं। डा. आंबेडकर ने दलितों व शोषितों को उनके अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया। वर्तमान में हमें डा. आंबेडकर की शिक्षाओं को अपनाकर जातिवाद, असमानता और शोषण के खिलाफ लड़ना होगा। विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता कवि गीतकार डा. सीएस वर्मा प्रभाकर ने कहा कि बाबा साहब की शिक्षा आज भी प्रासंगिक है और समाज में बदलाव का महत्वपूर्ण साधन है। बाबा साहब का मानना था कि शिक्षा एक ऐसा हथियार है, जिससे आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक परेशानियों को हल किया जा सकता है, इसलिए हमें बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने की जरूरत हैं। वर्मा ने दीप जलाना चाहता हूं काव्य पंक्तियों के माध्यम से समाज में शिक्षा की अलख जगाने का आह्वान किया। बाबा साहब की शिक्षा एवं वर्तमान चुनौतियां विषय पर प्रकाश डालते हुए मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन कर्मवीर बिहाली व पूर्व प्राचार्य रामजस मेहरा, दलित साहित्य अकादमी प्रधान कैलाश चंद ने कहा कि हमें बाबा साहब के पद चिह्नों पर चलते समृद्ध व समरस समाज का निर्माण करना होगा। कार्यक्रम में हरियाणा दलित साहित्य अकादमी की ओर से समाज के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया।

मंडी अटेली। बिहाली में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए काम करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में प्रधान आशाराम, पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी छोटेलाल, सूबेदार श्यामसुंदर, अमर सिंह नंबरदार, गणपति स्कूल निदेशक अशोक कुमार, प्राचार्य सत्यवीर यादव, कृष्ण तोबड़ा, राजकुमार, भगवान सिंह, राजू नंबरदार, कंवरपाल रामपुरा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

नारनौल। कार्यशाला में भाग लेने वाले शिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

किशोरावस्था में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है : राज सांगवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

■ श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में टीचर्स प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पंचकूला के तत्वावधान में श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका के कॉन्फ्रेंस हॉल में 12 व 13 अप्रैल को दो दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्षेत्र के अनेक स्कूलों के साठ अध्यापकों व प्राचार्यों ने भाग लिया।

कार्यशाला में आए सीबीएसई रिसोर्सपर्सन राजीव महेश्वरी व राज सांगवान ट्रेनर रहे। कार्यशाला का शुभारंभ स्कूल चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव व प्राचार्य वेदपाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राईमरी हैड उमा यादव ने की। कार्यशाला का संचालन सीबीएसई के ट्रेनिंग को ऑर्डिनेटर व रिसोर्सपर्सन राजीव महेश्वरी व राज सांगवान ने किया। उन्होंने कार्यशाला के दौरान अध्यापकों को विभिन्न वर्गों में बांटकर रोचक गतिविधियों व जीवंत उदाहरणों के माध्यम से बच्चों में किशोर अवस्था के दौरान आने वाले बदलाव को पहचानने तथा उनके समाधान के बारे में उदाहरण सहित बताया। राज सांगवान ने बताया कि किशोरावस्था में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह वह समय है जब बच्चे शारीरिक, भावनात्मक और सामाजिक रूप से कई बदलावों से गुजरते हैं। शिक्षक एक मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत के रूप में कार्य करता है, जो किशोरों को उनकी जरूरतों को समझने और संबोधित करने में मदद करता है।

कक्षा संचालन की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया

■ पीआरएस स्कूल में क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

कस्बा स्थित पीआरएस इंटर नेशनल स्कूल में कक्षा प्रबंधन पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्राचार्य संदीप शर्मा ने बताया कि सीबीएसई की ओर से नियुक्त प्रशिक्षक राजन शर्मा व राकेश कुमार के मार्गदर्शन में कार्यशाला के पहले दिन शिक्षकों को कक्षा संचालन की आधुनिक तकनीकों, अनुशासन प्रबंधन व छात्र सहभागिता बढ़ाने के प्रभावी उपायों से अवगत करवाया गया। इसके अलावा कक्षा में सकारात्मक वातावरण बनाने, समय प्रबंधन व व्यवहारिक चुनौतियों से निपटने के व्यवहारिक तरीकों पर जागरूक किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन समूह चर्चा, केस स्टडी व गतिविधि आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को व्यवहारिक अनुभव प्रदान किया। इस अवसर पर चेयरमैन अमरनाथ सुरोलिया ने प्रशिक्षक राजन शर्मा व राकेश कुमार को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से छात्रों के विकास को लेकर उपयोगी जानकारियां शिक्षकों को मिलती है व शिक्षकों की शिक्षण प्रतिभा में और निखार आता है।

सतनाली मंडी। कार्यशाला समापन पर प्राचार्य व स्टाफ के साथ प्रशिक्षक। *फोटो : हरिभूमि*

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित किया

■ यदुवंशी शिक्षा निकेतन में ब्रेन स्पार्क प्रोग्राम (मिड ब्रेन एक्टिवेशन) का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में ब्रेन स्पार्क प्रोग्राम (मिड ब्रेन एक्टिवेशन) का विशेष प्रदर्शन कार्यक्रम अत्यंत उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में अभिभावकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। जिन्होंने बच्चों की प्रतिभा को देखकर न सिर्फ तालियां बजाई, बल्कि भावविभोर भी हो गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने जो प्रदर्शन किए वे वास्तव में चौंकाने वाले थे।

आंखों पर पट्टी बांधकर रंगों की पहचान, गणना करना, किताबें पढ़ना और वस्तुओं को छूकर पहचानना जैसी कई हैरान कर देने वाली गतिविधियां बच्चों ने आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत की। कार्यक्रम का नेतृत्व अक्षय पारीक ने किया, जो अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ डर्मिस एंड जेनेटिक इवैल्यूएशन यूएस से प्रमाणित वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर काउंसलर हैं। साथ में दीपा जैन निदेशक एवं काउंसलर दृ ब्रैनोसेट ब्रेन मैपिंग लैब इंडिया ने भी अपनी विशेषज्ञता के माध्यम से कार्यक्रम को अत्यंत प्रभावी बनाया। कार्यक्रम विद्यालय के चेयरमैन राव बहादुर सिंह, डायरेक्टर सुरेश यादव, प्राचार्य डा. अनंत शर्मा, उपप्राचार्य नरेश यादव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उन्होंने बच्चों व अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में केवल किताबी ज्ञान ही नहीं, बल्कि मानसिक एवं बौद्धिक विकास भी उतना ही आवश्यक है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम बच्चों को भविष्य के लिए नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं।

कार्यक्रम के अंत में यह भी घोषणा की गई कि आने वाले समय में मैथ्स ट्रिक्स और मेमोरी टेक्निक्स की फ्री डेमो क्लासेज भी स्कूल समय में ही आयोजित की जाती रहेंगी। कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी शिक्षकगण, कोऑर्डिनेटर्स व विद्यार्थियों को बधाई दी।

नारनौल। कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

टीबी मुक्त महेंद्रगढ़ अभियान में सहयोग देने वाली पंचायत, आशा वर्कर्स भी होंगी सम्मानित

महेंद्रगढ़। राह क्लब सतनाली के तीसरी बार अध्यक्ष बने पीआरएस स्कूल के निदेशक संदीप शर्मा ने कहा है कि महेंद्रगढ़ जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए राह ग्रुप फाउंडेशन की टीम स्वास्थ्य विभाग से मिलकर व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश में नए टीबी मरीज के बारे में स्वास्थ्य विभाग को प्रथम सूचना देने वालों को सरकार की ओर से 500 रुपये की प्रोत्साहन राशि मिलती है। साथ ही मरीज के उपचार, उसकी दवाई व खुराक की व्यवस्था भी पूर्ण रूप से निःशुल्क होती है। इससे पहले राह ग्रुप के राष्ट्रीय चेयरमैन नरेश सेलपाड़ व वाइस चेयरमैन रामनिवास वर्मा ने पीआरएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल सतनाली में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें राह क्लब सतनाली के तीसरी बार अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी सौंपी। इस दौरान हिसार की महिला उपाध्यक्षा निर्मला सैनी, सुषमा बांगड़वा, जगबीर सिंह सहित राह संस्था के विभिन्न जिलों के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

टीबी की रोकथाम में सहयोगी

इस दौरान राह ग्रुप फाउंडेशन के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ ने कहा कि महेंद्रगढ़ जिले को टीबी मुक्त बनाने में सराहनीय योगदान देने वाली पंचायतों, आंगनबाड़ी वर्करों, आशा वर्करों, युवा क्लबों व समाजसेवी संस्थाओं को राह ग्रुप फाउंडेशन की ओर से नववर्ष के अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

कौन-कौन हैं ईनाम का पात्र

नए टीबी मरीज के बारे में स्वास्थ्य विभाग को प्रथम सूचना देकर प्रोत्साहन राशि पाने वालों में कोई व्यक्ति, संस्था, एनजीओ, युवा क्लब, निजी अस्पताल या केमिस्ट में से जो भी इसकी प्रथम सूचना देता है, उसे 500 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इसमें सरकारी या गैर सरकारी कर्मचारी कोई भी अन्य आमजन यह सूचना दे सकता है।

भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर कनीना में चलाया स्वच्छता अभियान

■ नपा चेयरपर्सन, सचिव व पार्षदों ने सफाई कर आमजन को दिया स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार को नगर पालिका प्रशासन ने सघन सफाई अभियान चलाया। जिसके चलते शहीद स्मारक के नजदीक, पुरानी नपा कार्यालय, अम्बेडकर चौक सहित अन्य स्थानों पर नपा चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी सहित मेम्बरों ने सामूहिक रूप से सफाई की।

डा. रिंपी कुमारी ने कहा कि डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती से कनीना में स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गई है, जो लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अपनाओ बीमारी भगाओ थीम के अंतर्गत आमजन को भी स्वच्छता अभियान से जोड़ा जाएगा। शहर की सुंदरता बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता रैंकिंग को श्रेष्ठ स्थान पर लाने के लिए अभी से प्रयास किए जा रहे हैं। नपा की चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमार ने स्वयं अपने हाथों में कस्सी लेकर न केवल सफाई की, बल्कि कूड़े को उठाकर निपटान वाहन में डलवाया। उन्होंने नागरिकों को अपने घरों के आसपास सफाई करने का संदेश दिया। संविधान निर्माता डा. भीमराव अम्बेडकर को समाज में समानता लाने के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा था। उन्हीं की बदौलत देश के प्रत्येक नागरिक को अधिकार एवं कर्तव्य का ज्ञान हुआ। उन्होंने शिक्षा को प्रगति का आधार बताते हुए उसे ग्रहण करने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा से उन्नति के द्वार खुलते हैं। रविवार को चलाए गए सफाई अभियान में नपा सचिव कपिल कुमार, पूर्व नपा प्रधान व पार्षद राजेंद्र सिंह लोढा, सुरेंद्र जोशी, विक्की, नितेश गुप्ता, होशियार सिंह, मनीष कुमार, राकेश कुमार, योगेश यादव, दीपक चौधरी, नरेंद्र सिंह शामिल थे।

कनीना। आमजन को स्वच्छता का संदेश देती नपा की चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी तथा हाथों में बैनर लेकर सफाई अभियान का शुभारंभ करता नपा प्रशासन। *फोटो : हरिभूमि*

प्रदेश सरकार ने 664 सरकारी स्कूलों पर लगाए ताले : प्रमोद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

प्रदेश सरकार की ओर से 2014 से 2024 के बीच लगभग 664 सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया है।

प्रमोद कटारिया

इसके बारे में बसपा जिला अध्यक्ष प्रमोद कटारिया ने बताया कि सरकार केवल अपनी कुर्सी की चिंता करती है। उसे गरीबों, दलितों, वंचितों, किसानों व मजदूरों की शिक्षा व अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई रूचि नहीं है। कांग्रेस की ही तर्ज पर हरियाणा की भाजपा सरकार शिक्षा को वेंटिलेटर पर ले जाना चाहती है और इसके लिए वो सरकारी स्कूल बंद करो अभियान में लगी है। गरीबों बच्चों को शिक्षा से वंचित रख मजदूर बनाना चाहती हैं। हरियाणा सरकार केवल बाहरी दिखावे वाली सरकार है। एनसीईआरटी की किताबों की भारी कमी के कारण विद्यार्थियों पर महंगी प्राइवेट पब्लिकेशन खरीदने का दबाव बना हुआ है, जो गरीबों की जेब पर बोझ बन गया है। एक ओर ज्यादातर सरकार स्कूलों की इमारतों की हालत भी ठीक नहीं है, तो दूसरी ओर अध्यापकों की भारी कमी रहती है। जिस कारण विद्यार्थी महंगे निजी स्कूलों में जाने पर मजबूर हैं। बसपा जिलाध्यक्ष ने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द विद्यार्थियों को एनसीईआरटी की किताबें उपलब्ध कराई जाएं, शिक्षकों के रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाए व सभी सरकारी स्कूलों की बिल्डिंग तथा खेल ग्राउंड का नवीनीकरण किया जाए।

गाहड़ा से कनीना सड़क मार्ग जगह-जगह से टूटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

महेंद्रगढ़ जिले के सीमावर्ती गांव गाहड़ा से कनीना को जाने वाला सड़क मार्ग जगह-जगह से टूट चुका है। जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस बारे में बव्वा निवासी सुरेंद्र सिंह यादव, सुरेश कुमार, सौरभ यादव, राजीव यादव, राजेश, पूर्व उप सरपंच रामौतार यादव, संतोष नम्बरदार, ईश्वर सिंह पूर्व सरंपच ने बताया कि गाहड़ा महेंद्रगढ़ जिले का अंतिम छौर का गांव है, जबकि साथ लगता बव्वा रेवाड़ी जिले का गांव है। दोनों जिलों के दर्जनभर गांवों को जोड़ने का सुगम मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते है। कनीना से गाहड़ा होते हुए ये मार्ग झज्जर, रोहतक, पानीपत व चण्डीगढ़ जाने वाले यात्रियों के लिए भी छोटा मार्ग है। क्षतिग्रस्त हो चुके इस संपर्क मार्ग पर बीते समय अनेक दुर्घटनाएं घटित हो चुकी है।

■ ग्रामीणों को उठानी पड़ रही परेशानी

इसी प्रकार महेंद्रगढ़-कनीना सड़क मार्ग से गुढ़ा लिंक मार्ग भी पिछले समय से टूटा हुआ है। कनीना में रेवाड़ी-बीकानेर रेल लाइन पर आरओबी निर्माण कार्य के चलते इस रोड से दिन-रात हलके व भारी वाहन गुजरते हैं। ग्रामीणों ने बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए मार्ग को चौड़ा कर नवीनीकरण की मांग की है।

आधुनिक भारत बाबा साहेब का ही विजन था : डा. संतोष खटाणा

डा. भीमराव अंबेडकर जयंती पर लगाया रक्तदान शिविर

■ महल अनुसूचित जाति विकास मंच ने मनाई डा. भीमराव अंबेडकर जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मोहल्ला महल मिश्रवाड़ा के सामुदायिक भवन में डा. भीमराव अंबेडकर का 134वां जन्मोत्सव समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख समाजसेवी डा. संतोष खटाणा थे।

उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत बाबा साहेब का ही विजन था। उन्होंने भारत देश के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य किया था। उन्होंने सभी रक्तवीर योद्धाओं को भी महान देशभक्त बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा. राकेश कुमार ने बताया कि बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर भारत की महान विभूति थे। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की। उन्होंने ही हमें वोट का अधिकार दिलवाया था। भारती सैनी ने कहा कि भारत में नारी के असली मुक्तिदाता बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर है। जिनकी बदौलत आज महिलाओं को बड़ी बड़ी पोस्ट पर रहने का अधिकार मिला। कार्यक्रम में वक्तागणों भीमसिंह सूंठवाल, प्रवक्ता सतीश चंदपुरा, कुमकुम, रश्मि तिवारी, रीना ने बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डाला। छह वर्षीय कुमारी भावीन सिंह ने अपनी स्पीच से सबका मन मोह लिया। कुमारी मोनिका, भानुप्रिया, खुशबू शर्मा, दीया राठौड़, निक्की, दिव्या, सरगम, नंदा ने अपने नृत्य से शमा बांध दिया। कार्यक्रम में रक्तदाताओं ने 26 यूनिट डोनेट किया। जिसमें स्टार डोनर के रूप में महिला शक्ति अनिता राज ने रक्तदान किया। जिला प्रमुख डा. राकेश कुमार ने भी अपना रक्त देकर कार्यक्रम को सफल बनाया। मेडिकल ऑफिसर डा. कुसुम व टीम ने रक्तदान कैम्प में सक्रिय भूमिका निभाई। रेडक्रॉस अधिकारी डा. एसपी सिंह ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया।

नारनौल। शिविर में रक्तदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जयनारायण दुग्गल, भीमसिंह सूंठवाल, राजपाल गोरा, गिरधारी लाल, डा. सुशील शीलू, जयवीर, सुरेंद्र, टिंकू प्रधान, हन्नी गुप्ता, संदीप पटीकरा, महेंद्र खन्ना, सुरेंद्र अंबेडकर, नरेश कुमार, भूपसिंह भारती, बलबीर बबेरवाल, रामचंद्र ग्रोवर, बिरदीचंद गोठवाल, रामकिशन मरोड़िया, विजेंद्र सैनी, अमित गिजावरा, बाबूलाल, महावीर, चमनलाल, राजकुमार निंमल, विक्रम ठेकेदार, संजू, सविता, सुमन, कविता राज, सुनीता, पूजा, रजनीश आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

योग चिकित्सा व ध्यान शिविर का आयोजन

महेंद्रगढ़। शरबती नर्सिंग कॉलेज में महिला पतंजलि योग समिति की ओर से एक दिवसीय योग चिकित्सा व ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में पतंजलि योगपीठ से साध्वी देववाणी व साध्वी देवगरिम उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, विशिष्ट अतिथि पूर्व चेयरपर्सन नगर परिषद नारनौल भारती सैनी रही।

हृदय व नेत्र जांच शिविर में 75 मरीजों ने उठाया लाभ

कनीना। मंडी स्थित लाला शिवलाल धर्मशाला में रविवार को 85वें स्वास्थ्य व नेत्र रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 75 जरूरतमंद मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। शिवकुमार अग्रवाल व योगेश कुमार ने बताया कि सेवा भारती की ओर से सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक आयोजित इस शिविर में डा. विकाश शर्मा, संदीप, सुमित, रामपाल, नीरज, रिकेश व नेत्र रोग विशेषज्ञ मोनिका सोनी, हितेष शर्मा व गोपाल ने मरीजों की जांच कर दवा व चश्में वितरित किए। उन्होंने बताया कि पांच मार्च 2017 से शुरू हुए इस स्वास्थ्य जांच शिविर को आठ वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस दौरान करीब साढ़े सात हजार से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य लाभ लिया है।

दी गुरुकुलम स्कूल के छात्रों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नांगल चौधरी। दी गुरुकुलम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जलियावाला बाग के शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। जिसमें शहीदों को पुष्प अर्पित करने के बाद अंग्रेजी की दमनकारी नीतियों का उल्लेख किया गया। इस दौरान शहादत स्थल का चित्रण प्रतियोगिता कराई गई। संस्था के चेयरमैन अभय सिंह गुर्जर ने बताया कि जलियावाला बाग की घटना के चित्रण प्रतियोगिता में 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिनमें आठवीं कक्षा के यश कुमार प्रथम, निशा कुमारी द्वितीय व खुशी कुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

निःशुल्क शिविर में 110 मरीजों की हुई जांच

महेंद्रगढ़। ग्राम पंचायत बुचौली के सहयोग से विजय सुपर स्पेशलिटी अस्पताल नारनौल की टीम ने शिव मंदिर परिसर में निःशुल्क जांच शिविर लगाया गया। इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कैंप में चिकित्सकों की टीम पहुंचने पर सरपंच अलका सोनू यादव ने उनका स्वागत किया। इस निःशुल्क स्वास्थ्य जांच कैंप में डॉक्टर आनंद, डॉ. रवि कुमार व विकेश कुमार ने शिविर में आए सभी मरीजों की शुगर, बीपी की जांच एवं ईसीजी की। शिविर में कुल 110 मरीजों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से अपनी स्वास्थ्य जांच करवाकर निःशुल्क परामर्श व दवाई ली।

मतदाता सूचियों का 18 तक कर सकते हैं दावे व आपत्ति

नारनौल। हरियाणा पंचायती राज निर्वाचन नियम 1994 के उपबंधों के तहत खंड कनीना में आने वाले गांव खरखड़ाबास, कपुरी, मुंडायन, झिंगावन, गुढ़ा, छिथरौली, बागौत, धनौन्दा व झाड़ली ग्राम पंचायतों का 11 अप्रैल को ड्राफ्ट मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है। यह ड्राफ्ट मतदाता सूची 18 अप्रैल तक आमजन के लिए विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी। यह जानकारी देते हुए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी नवदीप सिंह ने बताया कि 18 अप्रैल तक आमजन उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नारनौल, तहसीलदार कार्यालय कनीना एवं संबंधित हलका पटवारी, संबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय, पंचायत समिति कार्यालय कनीना, जिला परिषद कार्यालय नारनौल व सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय एवं खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय कनीना में ड्राफ्ट मतदाता सूची का निरीक्षण कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों की मतदाता सूचियां एक जनवरी 2025 के आधार पर तैयार की गई।

ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन की हुई बैठक

जलघरों को ग्राम पंचायतों के अधीन करने के विरोध में 22 को करेंगे प्रदर्शन

हरिभूमिन्यूज ▶▶| नारनौल/महेंद्रगढ़

हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबंधित ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन मुख्यालय करनाल जिला कार्यकारिणी की बैठक जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडल के पार्क में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान रविंद्र कुमार ने की। बैठक का संचालन ब्रांच प्रधान सुरेंद्र फौजी ने किया। जिसमें मुख्यवक्ता के तौर पर प्रांतीय मुख्य सलाहकार महेंद्र यादव उपस्थित रहे। बैठक में जिला संगठन से संबंधित सभी शाखाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

महेंद्रगढ़। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडल के पार्क में बैठक करते पदधिकारी।

इस अवसर पर ग्रामीण जलघरों को ग्राम पंचायतों के अधीन करने के विरोध में संगठन की ओर से पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 22 अप्रैल को परिमंडल नारनौल पर होने वाले रोष प्रदर्शन व अधीक्षक अभियंता के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम भेजे जाने वाले ज्ञापन की तैयारी को लेकर शाखा स्तर पर पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। सभी शाखाओं के सदस्यों की ओर से संगठन को आश्वस्त किया कि जिला महेंद्रगढ़ से एक-एक कर्मचारी हरियाणा सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ ज्ञापन व रोष प्रदर्शन कार्यक्रम में भाग लेगा। प्रांतीय मुख्य सलाहकार महेंद्र यादव ने कहा कि केंद्र की सरकार श्रम कानून में बड़े स्तर पर बदलाव करके संगठनों व कर्मचारियों को लाचार करना चाहती है, जिसको संगठन कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। मुख्य सलाहकार ने बताया कि इससे पूर्व भी संगठन की ओर से पलवल, गुरुग्राम, सोनीपत व अंबाला परिमंडल स्तर पर अधीक्षक अभियंता के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा जा चुका है, लेकिन सरकार की ओर से संगठन को बातचीत के लिए न बुलाना सरकार की हठधर्मिता को दर्शाता हैं। प्रांतीय मुख्य सलाहकार ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि सरकार संगठन को बातचीत के लिए बुलाकर कर्मचारियों की मांगों व समस्या का समाधान करें, ताकि कर्मचारियों का रोष कम हो सकें। संगठन की मजबूती के लिए उपस्थित पदाधिकारियों के विचार लिए गए।

कर्मचारियों की मांग

उन्होंने कहा कि उनकी मुख्य मांग ग्रामीण जलघरों को पंचायत के अधीन न किया जाए, पुरानी पेंशन स्कीम पूर्ण रूप से बहाल की जाए, एक्सग्रेशिया नीति पूर्ण रूप से लागू की जाए, मेडिकल कैशलेस सुविधा शीघ्र लागू की जाए, सभी प्रकार के कच्चे कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा गारंटी दी जाए, चतुर्थ श्रेणी से तृतीय श्रेणी में पदोन्नति होने पर कर्मचारियों को एक इंक्रीमेंट का आर्थिक लाभ दिया जाए, तृतीय श्रेणी के सभी कर्मचारियों को 25500 रुपये वेतनमान दिया जाए, ब्लॉक 2020-23 व 2024-27 की एलटीसी का भुगतान किया जाए।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राजेंद्र कामरेड, रविंद्र फौजी, सुभाष यादव, दीपक शांडिल्य, सुभाष यादव, कृष्ण पूनिया, रोहताश, रविंद्र, मनोज, यादराम, भूपसिंह, रमेश बेरी, कुलदीप, पवन, मनोज, यशपाल, नरवीर, हैप्पी सहित अनेक कर्मचारी मौजूद रहे।

नारनौल-रेवाड़ी रोड पर दुर्घटना का बना रहता है अंदेशा, प्रशासन की सुध नहीं

पुराने बस अड्डे, बाजार व मंत्री के कार्यालय से पहले तक दुकानदारों का अतिक्रमण

- सार्वजनिक रास्तों को सिकुड़ा दिया है, जिससे आने-जाने में वाहन चालकों व राहगीरों को परेशानी का करना पड़ता है सामना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली कस्बा चारों तरफ से अतिक्रमण से ग्रस्त बना हुआ है। दुकानदारों ने अपने प्रतिष्ठानों के बाहर सामान लगाकर सार्वजनिक रास्तों को सिकुड़ा दिया है, जिससे आने-जाने में वाहन चालकों व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नारनौल-रेवाड़ी मुख्य मार्ग कॉलेज तक अतिक्रमण हद पार की हुई है। कस्बे के पुराने अड्डे पर दुकानदारों ने रोड तक अपने सामान को प्रदर्शन किया हुआ है। जिस कारण पुराने अड्डे पर हर समय दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। पुराने अड्डे पर एचडीफीएसी बैंक, यूको बैंक कैबिनेट स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के कार्यालय से पहले तक लोकनिर्माण व नगर पालिका के स्थान को कवर किया है। वहीं मुख्य बाजार में भी दुकानदारों ने अतिक्रमण किया गया है। पुराने अड्डे से लेकर अटेली कॉलेज तक रोड की जगह 100 फीट से लेकर 110 फुट तक की है, लेकिन अनेक दुकानदारों ने रोड के किनारों तक अपने सामान को फैला रखा है, जिस कारण रोड 30 फुट तक ही रह गया है। वहीं पुराने अड्डे से मुख्य बाजार की जाने वाले रास्ते की चौड़ाई भी 70 से लेकर 65 फुट है, लेकिन इस रास्ते को भी तंग बना दिया है। चारपहिया वाहनों को झंडा चौक की तरफ जाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। कस्बावासी दुकानदारों ने बताया कि हम भले ही दुकानदार हो, लेकिन अतिक्रमण के खिलाफ है। अगर दुकानदार अपने प्रतिष्ठान के अंदर सामान रखेंगे, तब भी बिकेगा, लेकिन बाहर फैलाने से सामान की गुणवत्ता कम होने के साथ रेत-मिट्टी के कण भी जाते है। परचून, मिठाई आदि के सामान में कीटाणु फैलते हैं। स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय तक पहुंचने के लिए वाहनों को काफी दिक्कत होती है।

मंडी अटेली। अतिक्रमण से तंग बना हुआ रास्ता। फोटो : हरिभूमि

अतिक्रमण करने की दुकानदारों में होड़

प्रशासन को समय-समय पर अतिक्रमण अभियान चलाना चाहिए, जो दुकानदार नहीं मानता है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। अतिक्रमण करने से आस-पास के दुकानदारों में होड़ मच जाती है, जिससे बाजार में आने वाले ग्राहकों को वाहन खड़े करने में दिक्कत होती है। जिस दुकानदार ने अतिक्रमण किया हुआ उसके खिलाफ अभियान चला कर रास्ते को खुलवाना चाहिए। प्रशासन को समय-समय पर अतिक्रमण अभियान चलाना चाहिए, ताकि बाजार का सौंदर्यीकरण बना रहे तथा बाजार खुला-खुला रहे। हमारी अटेली मंडी का बाजार व रास्ते चौड़े-चौड़े हैं, लेकिन अतिक्रमण के कारण सिकुड़े हुए हैं। प्रशासन को हर छह माह में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाना चाहिए। नपा को पुराने अड्डे से मुख्य बाजार को जाने वाले रास्ते, स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय तक, नया स्टैंड व बहरोड फ्लाईओवर की तरफ तो अतिक्रमण हटाओ अभियान की खास जरूरत है। प्रशासन की सख्ती से अतिक्रमण रुक सकता है। अतिक्रमण मुक्त से दुकानदार व ग्राहकों दोनों को लाभ मिलेगा।

अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा

नपा समय समय पर अतिक्रमण अभियान चलाती है। पहले जिन दुकानदारों ने अतिक्रमण किया हुआ है, उनको एकबार नोटिस दिया जाएगा। इसके बाद अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। कुछ दिन पहले नया बस स्टैंड के आसपास तो अभियान चलाकर अतिक्रमण मुक्त कराया था। -**अनिल कुमार** सचिव, अटेली नगरपालिका

लोगों ने बताया कि मुख्य बाजार में अंडरपास तक, नये बस स्टैंड, बहरोड-कनीना फ्लाईओवर चौक के पास भी अतिक्रमण के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण करना गलत है। अतिक्रमण करने से राहगीरों व वाहन चालकों को मुश्किल का सामना करना पड़ता है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बचपन प्ले स्कूल में बैशाखी पर्व पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

- विद्यालय के बच्चों को बैशाखी पर्व का महत्व बताया गया

मौदाश्रम मंदिर के सामने मोहल्ला जवाहरनगर में स्थित बचपन प्ले स्कूल, ओम साईंराम अकैडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में बैशाखी पर्व बहुत ही धूमधाम से मनाया गया, जिसमें मोहल्ला नयाबास में स्थित विद्यालय की दूसरी ब्रांच किड्स गार्डन प्ले स्कूल के बच्चों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों ने बैशाखी पर्व से संबंधित कविता, गीत, भाषण और ढोल नगाड़ों पर भांगड़ा नृत्य आदि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। चेयरमैन रमेश सैनी व चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि यह पर्व फसल की कटाई पर सुख समृद्धि व खुशियों का प्रतीक हैं। सिख धर्म के लोग इस दिन को नववर्ष की शुरूआत के तौर पर भी मानते हैं। इस दिन सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। इसलिए इस दिन को मेष संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल बैशाखी पर्व 14 अप्रैल को मनाया जा रहा है। इस मौके पर विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी, प्राचार्या ज्योति शर्मा, प्राचार्या सविता यादव, बचपन हेड रूपाली अरोड़ा, उप प्राचार्या मोनिका दीवान, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी आदि मौजूद थे।

भारती स्कूल निजामपुर में वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। संस्था के चेयरमैन राजकुमार यादव एडवोकेट ने मुख्य अतिथि पूर्व अध्यक्ष नगर परिषद भारती सैनी, कैप्टन आरडी यादव चेयरमैन डिस्कवरी इंटरनेशनल स्कूल पावटा, गेस्ट ऑफ ऑनर डा. अमित कुमार सिंह का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

विद्यालय के प्राचार्य विनोद कुमार यादव ने विद्यालय की वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत की। इस वार्षिक रिपोर्ट में सत्र 2023-24 में 10वीं कक्षा व 12वीं विज्ञान वर्ग के शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम की जानकारी दी तथा बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से आयोजित गीता महोत्सव प्रतियोगिता में जसमीत पुत्री वीरसिंह बायल ने पेंटिंग में राज्य स्तर व हिया यादव पुत्री प्रदीप कुमार सिहोड़ ने निबंध लेखन में द्वितीय स्थान हासिल किया। रोड सेफ्टी में जतिन कुमार दनचौली ने राज्य स्तर पर द्वितीय, भवानी पुत्र सुरेन्द्र सिंह त्यौंदा ने जिला स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बाल भवन में आयोजित हिंदी लेखन प्रतियोगिता में आराध्या द्वितीय रही।

नारनौल। कार्यक्रम में सम्मानित होने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

नशा मुक्त व लगन समारोह करने पर किया सम्मानित

नारनौल। नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव मूसनौता में लालचंद प्रजापति ने अपने पुत्रों का लगन समारोह का आयोजन नशा रहित किया। उनके इस प्रकार के आयोजन के लिए राष्ट्रीय प्रजापति महासभा जिला महेंद्रगढ़ इकाई ने स्मृति चिह्न व एक गुलाब का पौधा भेंट करके सम्मानित किया। महासभा की ओर से नशा मुक्ति अभियान पिछले काफी समय से चलाया जा रहा है। जिससे समाज में नशे के प्रति जागरूकता के सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। चेयरमैन ईश्वर सिंह प्रजापति ने बताया कि नशे से बचना चाहिए व अपने आस पास भी इसके बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए, ताकि एक सभ्य समाज से देश का विकास हो सके। इस मुहिम में महासभा के जिला सचिव अशोक कुमार, राष्ट्रीय सचिव एवं जिला अध्यक्ष विजय सिंह प्रजापति, महासचिव सुभाष चंद, प्रधान जोगेंद्र सिंह, मुकेश कुमार, समाजसेवी डीपी वर्मा, हरद्वारी आदि मौजूद थे।

यदुवंशी ग्रुप ऑफ स्कूल में शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में रविवार को एक दिवसीय शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसकी थीम टीचर कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम थी। जिसमें यदुवंशी विद्यालय के शिक्षकों के साथ-साथ यदुवंशी ग्रुप की सभी शाखाओं से भी शिक्षक उपस्थित हुए। इस संगोष्ठी (प्रशिक्षण कार्यक्रम) का उद्देश्य शिक्षण विधियों में नवाचार, डिजिटल शिक्षा के उपकरणों का उपयोग और छात्रों के समग्र विकास के लिए नई रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना था। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन बुकमेट पब्लिशर के सहयोग से किया गया। जिसमें शिक्षकों को प्रोडक्ट प्रेजेंटेशन, क्लासरूम मैनेजमैंट, इमोंशनल इंटेलिजेंस, प्रोफेशनल मोटिवेशन और टीचिंग पेडागोजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम में यदुवंशी ग्रुप चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह व आरके श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना से हुई। प्राचार्य पवन कुमार ने बताया कि इस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को एक-दूसरे से सीखने और अपने अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान करते है। आप इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं, खुलकर चर्चा करें, अपने अनुभव साझा करें और एक-दूसरे से प्रेरणा लें।

महेंद्रगढ़। संगोष्ठी में उपस्थित शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम | वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक आयोजित

शहर में बढ़ते आवारा पशुओं की संख्या पर चिंता जताई, छुटकारा दिलाने की मांग

- राजीव चौक से रेलवे स्टेशन तक नहीं जलती एक भी स्ट्रीट लाइट
- बड़ा गुरुद्वारा के पास बावड़ीपुर मोहल्ला में नहीं आ रहा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमे पूर्व परम्परानुसार सर्वप्रथम जिन सदस्यों का जन्मदिन बैठक वाले मास मे आता है, उनको सम्मानित किया गया। जिनमें जयप्रकाश कौशिक सेवानिवृत्त प्राचार्य, प्रमुख समाजसेवी सुरेन्द्र चौधरी, सुरेश जांगिड़, परमानन्द दिवान व आज ही बनाए गए सदस्य यशवंत सिंह यादव को सम्मान पटका पहनाकर सम्मानित करते हुए उनके स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की। इस अवसर पर वरिष्ठ नागिरक संगठन के सदस्यों ने राजीव चौक से लेकर रेलवे स्टेशन तक एक भी स्ट्रीट लाइन नहीं जलने पर चिंता जताई व प्रशासन से व्यवस्था करने की मांग की।

इस अवसर पर बैशाखी के पर्व पर नई फसल घर पर आने पर किसानों की खुशी का जिक्र जयप्रकाश कौशिक ने अपनी कविता के माध्यम से किया। बैठक में बताया कि बड़ा गुरुद्वारा के पास बावड़ीपुर मोहल्ला में पानी नहीं आ रहा हैं। इस बारे में कई बार शिकायत भी कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। यह भी बताया कि सेक्टर के पार्कों का पानी तो सुख गया है, लेकिन उनका कोई सुधार नहीं हुआ है। वरिष्ठ नागरिकों ने शहर के सभी पार्कों में बच्चों के लिए झुल्ले लगवाने की मांग की। इसके अलावा सड़कों के दोनों तरफ नाली बनाने, महावीर चौक से रेलवे स्टेशन तक पूरे रोड पर डिवाइडर बनाने, अग्रसेन चौक से किला रोड तक भी डिवाइडर बनवाने की मांग। संगठन सदस्यों ने कहा कि शहर में आवारा पशुओं की संख्या बहुत अधिक हो गई हैं, इसका तुरन्त समाधान किया जाए, क्योंकि आए दिन कोई न कोई दुर्घटना हो ही जाती है। बिजली की केबल कई जगह ठीक नहीं की गई है। अतः नगर परिषद व जिला प्रशासन से अनुरोध है कि उपरोक्ता समस्याओं का निराकरण करवाने का कष्ट करें। बैठक का संचालन संगठन के महासचिव मुखराम सैनी ने किया।

इस मौके पर शिवहरि अग्रवाल, सोहनलाल चौहान, विजय सिंह यादव, मास्टर किशनलाल शर्मा, मास्टर भागीरथ प्रसाद, रविन्द्र कुमार चौधरी, अजीत प्रकाश जैन, अशोक डोरा, मास्टर जयदयाल, बीएल सैनी, पीसी जैन, हरिराम गुप्ता, हरिसिंह यादव, सुरेश भारद्वाज, सुरेश जांगिड़, परमानन्द दिवान, नरेंद्र धौलिया, शिवलाल वर्मा, बाबूलाल, रामनिवास, डा. शिवलाल आर्य, गणपतराम सैनी, बद्रीप्रसाद गर्ग, रामजीलाल मित्तल, ओपी बत्रा, रामबिलास यादव, देवीदयाल, चेतन स्वरूप, उत्तम सिंह यादव आदि मौजूद थे।

नारनौल। बैठक में संगठन सदस्यों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पीएम की रैली को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

नारनौल। भाजपा जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने 14 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हिसार में होने वाले कार्यक्रम को लेकर सभी मंडल अध्यक्षों, कार्यक्रम के संयोजक व सह संयोजकों की बैठक ली। इस बैठक में पूर्व अध्यक्ष दयाराम यादव, किशन बोहरा, भवानी सिंह, रमेश तंवर, आनंद मेहता, वासुदेव यादव, विकास अग्रवाल, संजय अमन, सुनील वर्मा, योगेश शास्त्री, कर्मवीर खिंची, सभी मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों तथा कार्यकर्ताओं के हिसार जाने की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई।

यतेंद्र राव ने बताया कि प्रधानमंत्री हिसार में हरियाणा के पहले हवाई अड्डे का उद्घाटन करने आंबेडकर जयंती पर आ रहे हैं। इसके लिए जिलाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री, केंद्रीय नेतृत्व, मुख्यमंत्री नायब सिंह, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली का आभार व्यक्त किया। हिसार हवाई अड्डे से अयोध्या के लिए इस दिन पहली उड़ान होगी।

नारनौल। सतपाल यादव को प्रधान बनने पर बधाई देते हुए।

सतपाल यादव तीसरी बार बने नारनौल गोसेवा मंडल के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गोसेवा मंडल की वार्षिक बैठक का आयोजन रविवार को निजामपुर रोड स्थित श्री अनाथ गोशाला में किया गया। मंडल संस्थापक मुकेश वालिया व संरक्षक कैलाश सोनी पहलवान के सानिध्य में नारनौल गोसेवा मंडल के सभी सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान संस्थापक मुकेश वालिया ने संस्था के पिछले वर्ष का कार्यकाल का लेखा जोखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि मंडल ने संस्था के सभी सदस्यों व क्षेत्र के जागरूक नागरिकों के सहयोग से करीब 861 से भी अधिक सवामणी लगाई है। मंडल सचिव रमेश यादव ने बताया कि मंडल के सहयोग से श्री अनाथ गोशाला में गोवंश हेतु एक टीनशेड, गायों के बैठने चलने के लिए टाइलों का फर्श, वाटर कूलर, संस्था की वर्षगांठ के अवसर पर वार्षिक सम्मान समारोह में क्षेत्र की अनेक सामाजिक धार्मिक संस्थाओं को सम्मानित करना आदि सुविधाओं की व्यवस्थाऐं की गई हैं। इसके उपरांत मंडल कार्यकारिणी का इस वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर नई कार्यकारिणी गठन हेतु प्रक्रिया शुरू की गई।

जिसमें सभी सदस्यों से विचार विमर्श करने उपरांत सतपाल यादव को एक बार फिर से संस्था प्रधान चुना। इसके अलावा संस्थापक मुकेश वालिया, पुरोहित पुरुषोत्तम कौशिक, संरक्षक कैलाश पहलवान, उप प्रधान सुभाष शर्मा, सचिव रमेश रईस, सह सचिव गजेंद्र नंबरदार, संगठन सचिव राजेश यादव, नितिन गुप्ता, ऑडिटर निशांत बंसल, मुख्य सलाहकार के पद पर दलीप यादव, सज्जन यादव का चयन किया गया।